nwda.gov.in

प्रकृति का साथ लेकर बनी नदी जोड़ो परियोजना दूर करेगी सिंचाई समस्या

मध्य प्रदेश के सीहोर में पूरी हुई अनूठी सीप-कोलार परियोजना, व्यर्थ बह जाने वाला जल ग्रामीणों के लिए बनेगा 'संजीवनी'

जागरण विशेष

अखलेश गुप्ता • सीहोर

देश में गहराते जल संकट से निपटने के लिए उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग अत्यंत आवश्यक है। इस क्रम में यदि इंजीनियरिंग के साथ प्रकृति प्रदत्त सुविधाओं का सही प्रयोग हो तो संकट का निदान आसानी से मिल सकता है। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले की सीप-कोलार नदी जोड़ो परियोजना ऐसा ही एक प्रेरक उदाहरण है।

जरूरत के क्षेत्रों तक पहुंचेगा जल: इस परियोजना में बांध, नहर और सुरंग के साथ भौगोलिक स्थिति का इस तरह लाभ लिया गया है कि बिना लिफ्ट किए ही पानी जरूरत वाले क्षेत्रों तक पहुंचेगा। इस अनूठी परियोजना से प्यासे कंठ व कृषि भूमि को पानी मिलने से क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों का जीवन सुगम हो जाएगा। कृषि बेहतर होने से ग्रामीणों की आर्थिकी भी समृद्ध होगी।

सुरंग, नहर और प्राकृतिक ढलान का उपयोग: परियोजना को इस तरह तैयार किया गया है कि सीप नदी का पानी 12 किलोमीटर की यात्रा कर नर्मदा की सहायक नदी कोलार पर बने बांध के जलाशय तक आसानी से पहुंच जाएगा। 158 करोड़ से अधिक की लागत वाली यह परियोजना पूरी हो चुकी है। वर्षाकाल में इसकी संरचनाओं में जल एकत्र होने लगा है। जैसे ही यह तय स्तर को पार करेगा तो प्राकृतिक ढलान के सहारे आसपास के गांवों सहित कोलार बांध को भी पानी मिलना आरंभ हो जाएगा। सीप नदी पर बने बांध में एकत्र होने वाला जल इससे जुड़ी छह किलोमीटर लंबी खुली नहर और करीब इतनी ही लंबाई की भूमि के नीचे बनी सुरंग से होकर तय स्थान तक पहुंचेगा। इस तरह मानसून में व्यर्थ बह जाने वाले करीब 35 करोड़ लीटर पानी का सदुपयोग किया जा सकेगा।

> सीप-कोलार नदी परियोजना का कार्य पूर्ण हो चुका है। अपने आप में अनूठी इस परियोजना से खेतों की सिंचाई के लिए सीहोर जिले के साथ ही भोपाल के कोलार बांध तक पानी की उपलब्धता को काफी सहज बनाया जा सकेगा।
>
> **अजय वर्मा**, अधिशासी अभियंता, सीप-कोलार नदी परियोजना

आसानी से मिलेगा जल तो उपज बढ़ेगी और आय भी

सीप-कोलार नदी परियोजना के बारे में स्थानीय किसान धरम सिंह चड़स्या कहते हैं कि क्षेत्र में पानी की उपलब्धता बढ़ने से पेयजल के साथ खेती को भी लाभ होगा। नहर में पंप लगाकर किसान सिंचाई कर सकेंगे। पानी आसानी से मिलेगा तो उपज बढ़ेगी और आय भी। परियोजना का पहला बांध सीप नदी पर बना है जो दो पहाड़ों के बीच है। दूसरा बांध कालियादेव नाले के पास बनाया गया है जबकि तीसरा घोड़ापछाड़ नाले के पास है। परियोजना के अधिशासी अभियंता अजय वर्मा बताते हैं कि क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि पानी सहजता के साथ करीब 12 किमी की दूर तय कर जरूरत वाले क्षेत्रों तक पहुंच सकेगा।

इसी सुरंग से होकर बहेगा जल।

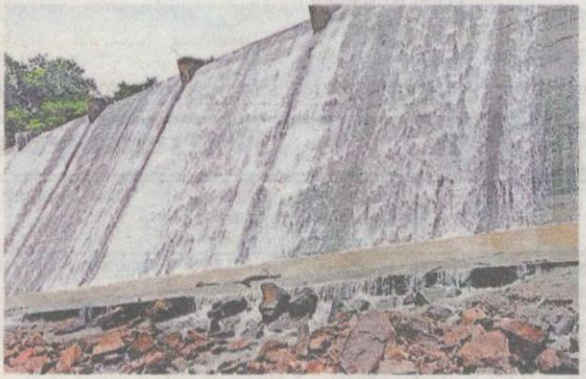

मध्य प्रदेश में सीहोर जिले के कालियादेव में बने बांध से बहता पानी • जईदुनिया

इस खबर को विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें